

I

८८४/

श्रीगुरुगवताय नमः

श्रीगुरुगवताय नमः

श्रीगुरुगवताय नमः

श्रीगुरुगवताय नमः

श्रीगुरुगवताय नमः

stotra
56

श्रीगुरुगवताय नमः

श्रीगुरुगवताय नमः

१ जे हा व वि त व न सं व वि त्रु व

१ श्री ग १ रा गे सो रू ॥ हारी को ह को स श्री ग
अ कं थ रहे पल दे सा ॥ साहा ॥ नी सदा न भ
सतु मरी मरी तो व न का ती धर की भ सत । ।

वार १ त ग १ र हा य वं न्दा भ य ह र ॥

॥ साहा ॥ दु ष हा ता रो कं थ न जाने ऐ त को री ती नु
राय ॥ कै से क थुं गी ५ गु वा के ही न न ही व द्वा य स दे न
॥ साहा ॥ पी र व रू थु शत वा ओ जाना मो ह कै रा १ श्री रा १ म र
१ श्री ग ने सा य न म ॥ १ श्री स ल स्य ती न म १ श्री ग ने सा य न
१ ल ति श्री ग ह सा य न म ॥ श्री र रू न म न

श्री ग र ग ह सा य न म

१ श्रीगङ्गा अभय नमः ॥ श्रीसंकटादवी नमः ॥
कासिनी वासिनी गंगतीक्ष्ण सदा नमः ॥
नंदनपुत्रः सदा वेदितं पूजित सदा ददं न
मासकदा कर्तुं हनति हवानी ॥ १ ॥ नमः
माहिनी माहितं हनति सदा च ॥

वदनी ॥ हनति विकृत लालं सदा नमः ॥
नी गुनानूपं वनि नमासंकटा ॥ २ ॥ नमः
षण्णहंतं गल्यमृष्टुमालं सदा गजितः ॥
मिकेय मायनं सदा संहितं माहिनी ॥
नने नमासंकटा ॥ ३ ॥ नमः मृत्नि दाने

नमो व्यदमाता सदा जागीनी जागीनी ॥
धनः ॥ सदा कामिनी माहितं का ॥
नमो संकटा ॥ ५ ॥ नमो व्यसना ॥
मूढमान सदा का किला कवेन नृपर्व ॥
सदानन विषय संतु घात कन नी नमो संः

कटा ॥ ५ ॥ मूढं पंचलनं पथत् प्रातका
लंः हनपापतन कवद धर्मग्यानः ॥ स
दा इवमका सल मल कृपाल नमो सक
टा ॥ ६ ॥ नृहि संकटा जागीनी जागीनी
नं नृहिका मिनी कामिनी काम ना जं नृहि

वीत्समाताक न षर्ग धलेन भौ सैकटा ॥ ७
॥ ७ ॥ मा सैकता विन वील स्व लितें लूह ला
दिमानमाहा लिम रूपें स्व सिद्धि यसादाह
जहेन मा स कटाक स र हन निव्वानी ॥
॥ ७ ॥ तिष्ठा संक्रा वाय्य विन वी ते स कटाक

नित समाफः ॥ ई सें म्बु ६ ३४ रोज ४ मिदि
॥ ७ ॥ रवा द व दि ५ ॥ ७ ॥ ५ सु र ६ ३ ७ ॥
॥ ७ ॥ त्वत्ति श्री गहसायनम श्री सत स्वति
नमः श्री गहसायनम ॥ नमा वागी ज्यवा
म ४ ॥ श्री ताम श्री ताम श्री ताम श्री ताम श्री

राय भेरव ॥ श्री महा राजा प्रेम सिन दय प्रवता
ह नि ॥ ६॥ न नु ॥ श्री मरा ज धर न चि व धा
श्री ॥ १॥ ह सु न द रि स ह रा इ सै क ता दे वि स
श्री ॥ उत्प द भय पाँ व प द्र भा री सा हा नि र
वा ह्य ई ॥ था प च भा री रि वि रं सि व द्य स न
स्व हा री दु प ता रा नि ता मु रे दे वि ज ग त मा ई ॥ ३॥

३

३॥

ग्या न अ व र अ ग म रि य च ६ धा वि आ आ ई न
ह कृ सि ति भय वि नु के सा या धा रि ॥ ४॥ न स
र न ह क र अ र जे न भा री प्रि स से न स हा व रि स
स व अ सु सं धा रि ॥ ५॥ १ श्री ग स स श्री ग ने सा
नि ति श्री ग ह प ति व ह लं वा वि न्न ना ज वि न्न व क
वि न्न प्र मा हा त जा मा हा व य ता क्र म भा ह द ल

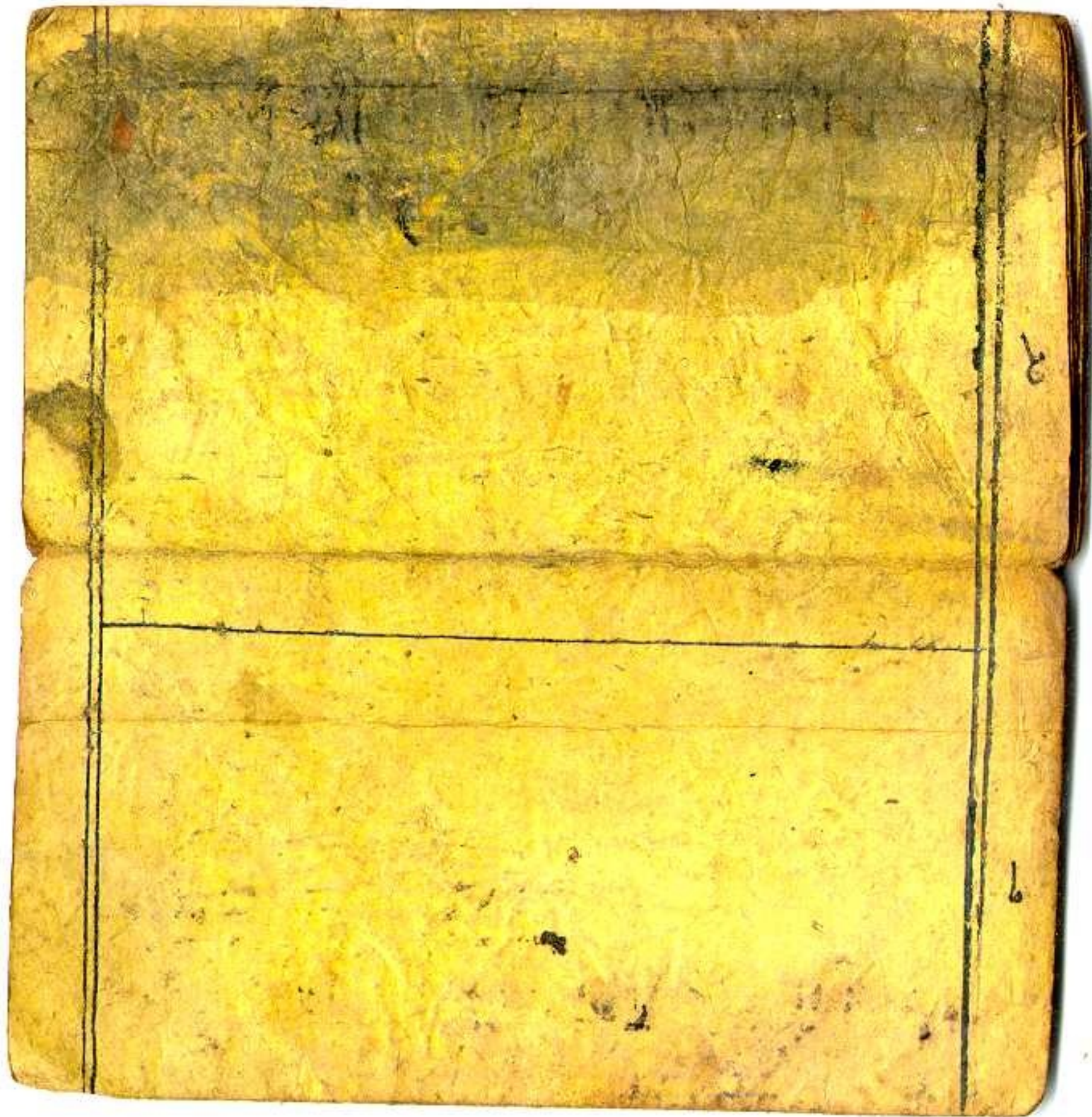
६

७

८

रञ्जीसरस्वति नमो ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
रञ्जिताः मासुभुवुस्काविताः मासुभु
वुतसंकलः पुत्रितिमिः देवैः सदाः वंदि
ताः माविनावरदंदमदितकलाः मासु
मत्तपरमाः सा मीपातुः सलस्रतिः भ

गवतिः निसेषजाद्यायाहा ॥ ॥ ॥
रसलस्रतिनम्सुवैः वरदेगामरूपिणि
विद्यारूपैः कलकामिसिद्धिभवतुमेत
दाः गगलतोपिकतोवदेः पालवतिय
लमस्रति ॥ श्रीसलस्रतिदेव्याय नमोः



I

6681

MS. No. 6681
P. 1

तै नमः ताम्रमलामलाद्वकलताः थसुनानता
तधालसाः जिंशयाधक्ययाडासुदकचन

राम राम राम श्री
१ श्री गुरु सायन मास्तु न मा
२७ १ श्री श्री गुरु सायन मा

१ श्री गुरु सायन मा १ श्री गुरु सायन मा
१ श्री गुरु सायन मा १ श्री गुरु सायन मा
१ श्री गुरु सायन मा १ श्री गुरु सायन मा

स्वस्ति श्री गुरु सायन मा श्री गुरु सायन मा
तेनमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः

कः विता कम् जलः गुन वरुता इः क ७६ स्म यन
पुन मनीदत नीः लेन्या खेदा नवत वनत नी वा द
नंद वी दु सा मु ॥ व ७५ ना त पः नत हि ह न व य
व गतः नत सिं ह क मा ताः ध्या व गीः वि ता न द
न जल वीः गुन श्रुत त जल वीः क ७६ व म ल नाम
न त न नो द त नीः सि त ह्य क म य ती दो नं द
द व द वी दु म म यं व म ना त य नः ग म
व गतः वा म न क मा ता श्र दि तीः वि ता क व न

न व त व तिः पुन न नी द त नीः व ७६
न व त नी वा द व द वी दु सा मुः व ७६ म न त
न श्र व ता तः य न ता म क मा ता न द काः वि
नीः गुन श्रुत त जल वीः क ७६ क क न म तः पुन न
न ताः लेन्या खेदा नवत वनत नी वा द व
स क म ना त यः त न न व श्र व ता त म क मा ता क
वि ता न द व ७५ थः गुन व सि वः ७५ श्र
पुन न नी द त नी वा व न द न व त व व
नंद वी दु सा मु ॥ श्र क म ना ता य न ॥ व त ह इ त

यश्च वतात ॥ वत रुद्र के माता देव काः पिता व
देव रुद्र वृक्षा ऋषीः कुरु मथ रवत पुन
ननु दत्ताः कंसा सुत दानः नव धरणीः कुरु
दक्षी दु सा मु ॥ ८ ॥ नव म ना रा य नः वीर्यवान्
वतातः वीर्य के माताः कुरु ना वतीः पिता गान्धि
रुद्र का त्रि व ऋषीः कुरु स म नु धरीः रा
नी ग या सुत दान वर व धरणीः व क
॥ ९ ॥ ॥ दत्ता ना रा य न ॥ कुरु का नु धरणीः

न को के माताः माता गः पिता ह रि कु दृ षः रा
दु सुत य ॥ १० ॥ ए र पतिः यत न ना दत्ताः रा
माः सुव ह्नु वानः म सु के म ध द म र वृत्तः
थः अ न धा रा कु त्रिः मा न मा स क क व र
का द सीः सा न वा तः द नि अ व ता तः नि दित नीः
ग दान वः नव धरणीः वा द व द क्षी दु सा मुः अ
रा न न व धा क र्तुः सा न वा तः सुता गी स न रुद्र प ध रि
थीः वा ध ता सीः स र्प म नु ल सा ध्या त र्ज न म य ग्रीः रा

क म नो वि वे ग रू ग ना ता य न श्र व ता तः ऋ वा सु
वै क न व सै ता नः ह रि श्र व ता तः सु न द वि न ता नः
ः ता व ध ध र्म ता यः व व रु थः स द व स त नं म मा
॥ श्री गी रं क ता वा र्ध वि न वि गे द स श्र व ता तः क र्म

क र्म

वा क लं स हा नु डं सा हा के क र्म म दृ त ॥

ता का यः क र्म का या त न न

श्री ग न सा य न म ॥ श्री या जो नी य सै जो
र मा हा व ड स थि भा र त भु ज्जा कं सै व
रु री था यो री य द र मा हा मा इं ग री स व क
रै मा इ क को दे वा या य वी रु री फ रा स की ड
ने ने को थु रो सु र्ता नि स्ती ग री व ज री रु री दी या
वा जा व रं ने उ उ म ती

